



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 154]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 2, 1985/ चैत्र 12, 1907

No. 154]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 2, 1985/ CHAITRA 12, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

मिचार्ड और विद्युत मंत्रालय
(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1985

अधिसूचनाएं

सा. का. नि. 341(अ):— केन्द्रीय सरकार, विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 (1948 का 54) की धारा 68 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण से परामर्श करने के बाद एनद्द्वारा यह अधिसूचित करती है कि बोर्ड अवक्षयण के लिए ऐसी राशि की व्यवस्था करेगा, जो निम्नलिखित सिद्धान्तों के अनुसार संगणित की जाएगी, अर्थात् :—

1. बोर्ड द्वारा अवक्षयण की व्यवस्था करना:— (क) बोर्ड अवक्षयण के लिए ऐसी राशि की व्यवस्था करेगा जो अवक्षयण को स्ट्रेट लाइन पद्धति के अनुसार संगणित की जाती है, अर्थात् ऐसी परिसंपत्तियों के संबंध में विहित अवधि तक बोर्ड की बहियों में बट्टे खाते डाली गई और अगस्त कर दी गई राशि को हिमाव में लेने के पश्चात् परिसंपत्तियों

को मूल लागत के 90 प्रतिशत द्वारा भाग करके जो राशि आती हो :

परन्तु किसी भी परिसंपत्ति के संबंध में अवक्षयण का अंशदान विहित अवधि की समाप्ति पर अथवा जब बोर्ड द्वारा परिसंपत्ति का उपयोग करना बन्द कर दिया जाता है, जो भी पहले हो, बन्द कर दिया जाएगा।

2. अवक्षयण के सिद्धान्तों की अवधि:— ये सिद्धान्त अप्रैल, 1985 के पहले दिन को शुरू होने वाले और 31 मार्च, 1986 को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के लिए अवक्षयण के प्रसारण पर लागू होंगे।

स्पष्टीकरण:— इस अधिसूचना में "विहित अवधि" से अभिप्रेत है :—

(क) उस परिसंपत्ति के संबंध में जो बोर्ड को अपने कारोबार में उपयोग के लिए विद्युत (प्रदाय) संशोधित अधिनियम, 1966 (1966 का 30) के लागू होने से पूर्व उपलब्ध हुई थी, अर्थात् इस अधिसूचना की अनुसूची में बताए गए वर्षों की संख्या को उन वर्षों तक घटा दिया

जाए जहाँ तक वह परिमंप्ति प्रयोग की गई या प्रयोग करने के योग्य रही थी, इन वर्षों को उस वर्ष के बाद के वर्ष के प्रारम्भ से गिना जाए जिसमें वह परिमंप्ति वॉर्ड को प्राप्त हुई थी तथा इस अधिनियम के लागू किए जाने पर या उसके बाद में समाप्त होने वाले वर्ष के अन्त तक, अभिप्रेत है।

(ख) अन्त किन्ही परिमंप्ति के संबंध में, वर्षों की संख्या या अवधि उक्त अनुसूची में निर्दिष्ट है।

[सं. 25/9/82 डी (एस ई बी)]

अनुसूची

आस्ति का वर्णन	वर्षों की संख्या या अवधि
1	2
क. पूर्ण हुक वाली स्वामित्वाधीन भूमि	अनन्त काल
ख. पट्टे के अधीन धारित भूमि:—	
(क) भूमि में विनिधान के लिए	पट्टे की अवधि, या पट्टे के समनुदेश पर शेष अनवसित अवधि
(ख) स्थल की सफाई करने की लागत के लिए	स्थल की सफाई करने की तारीख को पट्टे की शेष अनवसित अवधि
ग. नहीं क्रय की गई आस्तियाँ:—	
(क) जनन केन्द्रों में संयंत्र और मशीनरी जिसके अन्तर्गत संयंत्र आधार भी है:—	
(1) जन-विद्युत	पैंतीस
(2) वाष्प-विद्युत	पचीस
(3) डीजल-विद्युत	पन्द्रह
(ख) शीतलन टावर और परिसंचारी जन पड़ति	तीस
(ग) द्रवचालित संकर्म जो जल विद्युत पड़ति का भाग है, जिनके अन्तर्गत निम्नलिखित भी है:—	
(1) बांध अधिप्लव मार्ग, बांधिकाएं और नहरें, प्रचलित कंक्रीट अवनालिकाएं और दाबलाधिकाएं	एक सौ

1	2
(2) प्रचलित कंक्रीट पाइप लाइनें, और महॉर्मिटेक, इस्पात पाइप-लाइन, स्लु-इस गैस, इस्पात महॉर्मिटेक प्रदेश स्वचालित नियंत्रण वाल्व और अन्य द्रवचालित संकर्म	चालीस
(घ) स्थाई प्रकृति के भवन और सिविल इंजीनियरी संकर्म, जो ऊपर उल्लिखित नहीं किए गए हैं:—	
(क) कार्यालय और प्रदर्शन कक्ष	पचास
(ख) जिसमें ताप विद्युत जनन संयंत्र है	तीस
(ग) जिसमें जल विद्युत जनन संयंत्र हो	पैंतीस
(घ) अस्थाई निर्माण जैसे काष्ठ संरचनाएं	पांच
(ङ) कच्चे मार्गों से भिन्न मार्ग	एक सौ
(च) अन्य	पचास
(ड) ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मर (कियोस्क) उपस्टेशन उपस्कर और अन्य नियत साधित्र (जिसके अंतर्गत संयंत्र आधार भी है):—	
(1) 100 किलोवाट एम्पियर और उससे अधिक की क्षमता वाले ट्रांसफार्मर (जिसके अंतर्गत आधार भी है)	पैंतीस
(2) अन्य	पच्चीस
(च) स्विचगियर, जिसके अंतर्गत केबल कनेक्शन भी है:—	बीस
(चच) ताड़ेल प्रगाही:—	
(1) स्टेशन टाइप	बीस
(2) पोल टाइप	पन्द्रह
(3) तुल्यकाली संधारित्र	पैंतीस
(छ) बैट्रियां	दस
(ज) (1) भूमिगत केबलें जिनके अंतर्गत बाक्स	चालीस
(2) केवल डक्ट प्रणाली	साठ

2

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

(Department of Power)

New Delhi, the 31st March, 1985

NOTIFICATIONS

G.S.R. 341(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 68 of the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government, after consultation with the Central Electricity Authority, hereby notifies that the Board shall provide for depreciation such sum as is calculated in accordance with the following principles, namely:—

1. Providing of depreciation by Board:—The Board shall provide for depreciation such sum as is calculated in accordance with the straight line method of depreciation, that is to say, such amount as is arrived at by dividing ninety percent of the original cost of the assets, after taking into account the sum already written off and set aside in the books of the Board, by the prescribed period in respect of such assets:

Provided that the contribution in respect of any asset to depreciation shall cease at the end of the prescribed period or when the asset ceases to be used by the Board whichever is earlier.

2. Period of application of principles of depreciation:—These principles shall apply to the charging of depreciation for the accounting year commencing on the 1st of April, 1985 and ending on 31st March, 1986.

Explanation:—In this notification, "Prescribed period" means:—

(a) In relation to an asset which became available to the Board for its use in its business before the commencement of the Electricity (Supply) Amendment Act, 1966 (30 of 1966), means the number of years as defined in the schedule to this notification reduced by the number of years during which such asset was used or capable of being used, such years being computed from the beginning of the year next following that in which the asset became so available to the Board and up to the end of the year ending on or after such commencement.

(b) In relation to any other asset, the number of years or period specified in the said Schedule.

[No. 25/9/32 D/SEB]

SCHEDULE

Description of Asset	Number of years or period
1	2
A. Land owned under full title	Infinity
B. Land held under lease :—	
(a) for investment in the land	The period of lease or the period remaining unexpired on the assignment of the lease.
(b) for cost of clearing site	The period of the lease remaining unexpired at the date of clearing the site.

- उपरीली लाइनें, जिनके अंतर्गत टैंक भी हैं:—
- (1) 66 किलोवाट के उच्चतर पैंतीस नामीय वोल्टताओं पर प्रचालन करने वाले संविरचित इस्पात टैंकों पर लाइनें
- (2) 13.2 किलोवाट से उच्चतर किन्तु 66 किलोवाट से अधिक नामीय वोल्टताओं पर प्रचालन करने वाली इस्पात टैंकों पर लाइनें
- (3) इस्पात या प्रबलित कंक्रीट टैंकों पर लाइनें पच्चीस
- (4) अभिक्रियित काष्ठ टैंकों पर लाइनें बीस
- (न) मोटर पन्द्रह
- (ट) स्वचालित यान सात
- (ठ) स्वैतिक मशीन औजार बीस
- (ड) वातानुकूलन संयंत्र:—
- (1) स्वैतिक पन्द्रह
- (2) सुवाह्य सात
- (इ) (1) कार्यालय फर्नीचर और फिटिंग बीस
- (2) कार्यालय उपस्कर दस
- (3) आंतरिक तार लगाना जिसके अंतर्गत फिटिंग और साधन भी हैं। पन्द्रह
- (4) सड़क प्रकाश फिटिंग पन्द्रह
- (ण) भाड़े पर लिए गए साधन:—
- (1) मोटरों से भिन्न सात
- (2) मोटरें बीस
- (त) संचार उपस्कर:—
- (1) रेटियों तथा उच्च आवृत्ति वाहक पद्धति पन्द्रह
- (2) टेलीफोन लाइनें और टेलीफोन बीस
- (थ) पूर्व प्रयुक्त क्रय की गई आस्तियां और ऐसी आस्तियां जिसके लिए इस अनुसूची में में अन्यथा उपलब्ध नहीं किया गया है। ऐसी युक्तियुक्त अवधि जो राज्य सरकार स्वामी द्वारा आस्तियों के अर्जन के समय उनके समय और दशा को ध्यान में रखते हुए, प्रत्येक मामले में अवधारित करें।

1	2	1	2
C. Assets purchased new—		(ii) Lines on steel supports operating at nominal voltages higher than 13.2 kilovolts but not exceeding 66 kilovolts.	Thirty
(a) Plant and machinery in generating stations, including plant foundations:—		(iii) Lines on steel or reinforced concrete supports	Twenty five
(i) hydro-electric	Thirty five	(iv) lines on treated wood supports	Twenty
(ii) steam-electric	Twenty five	(j) Meters	Fifteen
(iii) diesel-electric	Fifteen	(k) Self propelled vehicles	Seven
(b) Cooling towers and circulating water systems	Thirty	(l) Air Conditioning plant	
(c) Hydraulic works forming part of hydro electric system including:—		(i) static	Fifteen
(i) Dams, spillways, weirs, canals reinforced concrete flumes & syphons.	One hundred	(ii) portable	Seven
(ii) reinforced concrete pipe lines and surge Tanks, Steel pipelines, sluice gates, steel surge (tanks) hydraulic control valves & other hydraulic works	Forty	(n) (i) office furniture & fittings	Twenty
(d) Building and civil engineering works of a permanent character, not mentioned above:		(ii) office equipment	Ten
(i) Offices & Showrooms	Fifty	(iii) internal wiring including fittings & apparatus	Fifteen
(ii) Containing thermo-electric generating plant	Thirty	(iv) Street light fittings	Fifteen
(iii) containing hydro-electric generating plant	Thirty five	(e) Apparatus let on hire—	
(iv) temporary erection such as wooden structures	Five	(i) other than motors	Seven
(v) roads other than Kutchha roads	One hundred	(ii) motors	Twenty
(vi) others	Fifty	(p) Communication equipment—	
(e) Transformers, transformer (Kiosk) sub-stations equipment and other fixed apparatus (including plant foundations):—		(i) Radio and high frequency carrier system	Fifteen
(i) transformers (including foundations) having a rating of 100 kilovolt amperes and over	Thirty five	(ii) Telephone lines and telephones	Twenty
(ii) Others	Twenty five	D. Assets purchased second hand and assets not otherwise provided for in the schedule.	
(f) Switchgear, including cable connections.	Twenty	Such reasonable period as the State Government determines in each case having regard to the nature, age and condition of the asset at the time of its acquisition by the owner.	
(g) Lightning arrestors—			
(i) Station type	Twenty		
(ii) Pole type	Fifteen		
(iii) Synchronous condensers	Thirty five		
(h) Batteries—			
(i) Underground cable including joint boxes and disconnected boxes.	Forty		
(ii) Cable duct system	Sixty		
(i) Overhead lines including supports	Thirty five		
(i) lines on fabricated steel operating at nominal voltages higher than 66 kv.	Thirty five		

मा.का.नि. 543 (अ) — केन्द्रीय सरकार, विद्युत प्रदाय अधिनियम, 1948 (1948 का 54) की छठी अनुसूची के पैरा 6 के उपपैरा (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने परामर्श करने के पश्चात् यह अधिनियम सूचित करती है कि अनुज्ञप्तिधारी अवक्षयण के लिये ऐसी राशि की व्यवस्था करेगा, जो निम्नलिखित सिद्धान्तों के अनुसार संगणित की जाएगी, अर्थात्:—

1. अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा अवक्षयण की व्यवस्था करना —

(क) अनुज्ञप्तिधारी अवक्षयण के लिये—

(1) ऐसी राशि की व्यवस्था करेगा, जो यदि समस्त विहित अवधि के दौरान प्रतिवर्ष अपास्त कर दी जाती है, जिसका 1 प्रतिशत की दर में चक्रवृद्धि व्याज संचय किया जाता है, वो विहित अवधि की समाप्ति पर, उपक्रम की बहियों में पहले बट्टे-खाते डाली गई अथवा अपास्त कर दी

राशि को हिमाव में लेने के पश्चात् अपास्त की मूल त के नब्बे प्रतिशत के बराबर राशि हो जायेगी। संचित शेष पर वार्षिक व्याज, राजस्व में से और वार्षिक वृद्धि निक्षेप में से खर्च के रूप में अनुज्ञात किया जाएगा, या

(2) किसी राशि की व्यवस्था की जायेगी, जो विहित अधि से, आस्ति की मूल लागत के नब्बे प्रतिशत को भाजित करके निकलती है, परन्तु यदि किसी अनुज्ञप्तिधारी ने, विद्युत (प्रदाय) मणोधन अधिनियम, 1978 (1978 का 23) के प्रारम्भ के पूर्व किसी विनिष्ट पद्धति का विकल्प से लिया है तो वह ऐसी पद्धति का अनुसरण करता रहेगा।

(ख) यदि कोई नियत आस्ति चलन, अपर्याप्तता अतिरिक्त या अन्य किसी कारणवश उपयोग के लिये उपलब्ध नहीं रह जाती है, ऐसी अनुज्ञप्तिधारी की बहियों में यह वर्णित किया जायेगा कि अब वह प्रयुक्त नहीं होती है और उसकी वावत और अवक्षयण राजस्व, मुद्दे प्रभार के रूप में अज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ग) यदि उपक्रम की बहियों में कोई आस्ति, उसकी मूल लागत के 10 प्रतिशत या उससे कम तक हासिल कर दी गई है, तो उस आस्ति की वावत और अवक्षयण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(घ) अवक्षयण की वकाया, विहित अवधि की शेष अवधि पर समीकृत मंदायों द्वारा बट्टे खाते डाली जा सकेगी।

2. अवक्षयण की सिद्धान्तों के लागू होने की अवधि :—

ये सिद्धान्त क्रमशः अप्रैल, 1985 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले और मार्च, 1986 के 31वें दिन का समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के अवक्षयण के सारणी को लागू होंगे।

स्पष्टीकरण :— इस अधिसूचना से “विहित अवधि” से, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट आस्तियों के संबंध में ऐसी आस्ति के संबंध में उसमें विनिर्दिष्ट वर्षों की संख्या या अवधि, जो प्रत्येक दशा में, उस लेखा वर्ष के ठीक अगले लेखा वर्ष से आरम्भ होगी, जिसमें कारगर से उपयोग के लिये विनिष्ट आस्ति उपलब्ध हुई थी, अभिप्रेत है।

[सं. 25(9)/82- डी (एम०ई०बी०)]

जे. सी. गुप्ता, संयुक्त सचिव

अनुसूची

आस्ति का वर्णन

वर्षों की संख्या या अवधि

1

2

(क) पूर्ण हक वाली स्वामित्वाधीन भूमि अनन्त काल

1 2

(ख) पट्टे के अधीन धारित भूमि—

(क) भूमि में विनिधान के लिए पट्टे की अवधि या पट्टे के समनुदेशन पर शेष अनवसित अवधि

(ख) स्थल की सफाई करने की लागत के लिए। स्थल की सफाई करने की तारीख को पट्टे की शेष अनवसित अवधि।

(ग) नई क्रय की गई आस्तियां :—

(क) जनन केन्द्रों में संयंत्र और मशीनरी; जिसके अंतर्गत संयंत्र आधार भी है :

(1) जल-विद्युत पैंतीस

(2) वाष्प-विद्युत पच्चीस

(3) डीजल-विद्युत पन्द्रह

(ख) शीतलन टावर और परि-संचारी जल पद्धति तीस

(ग) द्रवचालित संकर्म को जल विद्युत पद्धति का भाग है, जिनके अंतर्गत निम्नलिखित भी है :—

(1) बांध अधिप्लव मार्ग, वधि-काण, नहरें, प्रचलित कंक्रीट अव-नलिकाएं और दाबलधिकाएं एक सौ

(2) प्रचलित कंक्रीट पाइप लाइनें और मोर्टार टैंक, इस्पात पाइप लाइनें, स्लुड्स गैस, इस्पात मोर्टार (टैंक), द्रवचालित नियंत्रण वाल्व और अन्य द्रवचालित संकर्म चालीस

(घ) स्थाई प्रकृति के भवन और सिविल इंजीनियरी संकर्म, जो ऊपर उल्लिखित नहीं किये गये हैं :—

(1) कार्यालय और प्रदर्शन कक्ष पचास

(2) जिसमें ताप विद्युत जनन संयंत्र है तीस

(3) जिसमें जल विद्युत जनन संयंत्र है पैंतीस

(4) अस्थाई निर्माण जैसे काष्ठ संरचना पांच

(5) कच्चे माल से भिन्न एक सौ

(6) अन्य पचास

1	2	1	2
(ड.) ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मर, कियो— स्क उपस्टेशन उपस्कर और अन्य नियम साधित (जिसके अंतर्गत संयंत्र आधार भी है)		(द) (1) कार्यालय फर्नीचर और फिटिंग	बीस
(1) 100 किलोवाट एम्पियर पैतीस और उससे अधिक की क्षमता वाले ट्रांसफार्मर (जिसके अंतर्गत आधार भी है)		(2) कार्यालय उपस्कर	दस
(2) अन्य	पच्चीस	(3) आन्तरिकतर लगाना जिसके अंतर्गत फिटिंग और म. धित भी हैं ।	पन्द्रह
(च) स्वीचगीयर, जिसके अंतर्गत केवल कनेक्शन भी है तड़ित प्रगाही —		(4) गड़ 5 प्रकाश फिटिंग	पन्द्रह
(1) स्टेशन टाइप	तीस	(ण) भाड़े पर दिये गये साधित :-	
(2) पोल टाइप	पन्द्रह	(1) मोटरों से भिन्न	सात
(3) तुल्यकाली संधारित	पैतीस	(2) मोटरें	बीस
(छ) बैट्रियां	दस	(त) संचार उपस्कर :-	
(ज) (1) भूमिगत केबलें जिनके अन्तर्गति वाक्स और वियोजना वाक्स भी है ।	चालीस	(1) रेडियो तथा उच्च आवृत्ति वाहक पद्धति	पन्द्रह
(2) केवल उकट प्रणाली	माठ	(2) टेलीफोन लाइनें और टेलीफोन	बीस
(झ) उपरीली लाइनों, जिसके अंतर्गत टैंक भी है :-		पूर्व- प्रयुक्त क्रय की गई आस्तिया और ऐसी आस्तियां जिनके लिये इस अनुसूची में अन्यथा उपबन्ध नहीं किया गया है ।	ऐसी युक्तियुक्त अवधि, जो राज्य सरकार, स्वामी द्वारा आस्तियों के अर्जन के समय उनके समय और दशा को ध्यान में रखते हुए प्रायेक मामले में अवधारित करें ।
(1) 66 किलोवाट से उच्चतर पैतीस नामीय वोल्टताओं पर प्रचालन करने वाले संविरचित इस्पात टैंकों पर लाइनें ।			
(2) 13.2 किलोवाट से उच्चतर किन्तु 66 किलोवाट से अनधिक नामीय वोल्टताओं पर प्रचालन करने वाली इस्पात टैंकों पर लाइनें	तीस		
(3) इस्पात या प्रवलित कंक्रीट टैंकों पर लाइनें	पच्चीस		
(4) अभिक्रियित काष्ठ टैंकों पर लाइनें	बीस		
(न) मीटर	पन्द्रह		
(ट) स्वनोदित यान	मात		
(ठ) स्थैतिक मशीन आंजार	बीस		
(ड) वातानुकूलन संयंत्र			
(1) स्थानिक	पन्द्रह		
(2) सुवाह्य	गान		

G.S.R. 342(E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (a) of paragraph VI of the Sixth Schedule to the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government, after consultation with the Central Electricity Authority, hereby notifies that the licensee shall provide for depreciation such sum as is calculated in accordance with the following Principles namely:—

1. Providing of depreciation by licensees:—(a) the licensee shall provide for depreciation:—

(i) Such an amount as would, if set aside annually throughout the prescribed period and accumulated at compound interest at 4 per cent per annum, produce by the end of the prescribed period an amount equal to ninety percent of the original cost of the asset after taking into account the sums already written off or set aside in the books of the undertaking. Annual interest on the accumulated balance will be allowed as an expense from revenues as well as the annual incremental deposit of

राशि को हिसाब में लेने के पश्चात् अपास्त की मूल त के नब्बे प्रतिशत के बराबर राशि हो जायेगी। संचित गेप पर वार्षिक ब्याज, राजस्व में से और वार्षिक वृद्धि रूप में से खर्च के रूप में अनुज्ञात किया जाएगा, या

(2) किसी राशि की व्यवस्था की जायेगी, जो विहित धि से, आस्ति की मूल लागत के नब्बे प्रतिशत को गजित करके निकलती है, परन्तु यदि किसी अनुज्ञप्तिधारी ने, विद्युत (प्रदाय) मंशोधन अधिनियम, 1978 (1978 का 23) के प्रारम्भ के पूर्व किसी विशिष्ट पद्धति का विकल्प में लिया है तो वह ऐसी पद्धति का अनुसरण करता रहेगा।

(ख) यदि कोई नियत आस्ति चलन, अपर्याप्तता अतिरेक या अन्य किसी कारणवश उपयोग के लिये उपलब्ध नहीं रह जाती है, ऐसी अनुज्ञप्तिधारी की बहियों में यह वर्णित किया जायेगा कि अब वह प्रयुक्त नहीं होती है और उसकी बाबत और अवक्षयण राजस्व, मुद्दे प्रभार के रूप में अज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ग) यदि उपक्रम की बहियों में कोई आस्ति, उसकी मूल लागत के 10 प्रतिशत या उससे कम तक हासिल कर दी गई है, तो उस आस्ति की बाबत और अवक्षयण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(घ) अवक्षयण की बकाया, विहित अवधि की शेष अवधि पर समीकृत मंदायों द्वारा बट्टे खाने डाली जा सकेगी।

2. अवक्षयण की सिद्धांतों के लागू होने की अवधि :—
ये सिद्धांत क्रमशः अप्रैल, 1985 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले और मार्च, 1986 के 31वें दिन का समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के अवक्षयण के मारणी को लागू होंगे।

स्पष्टीकरण :— इस अधिसूचना में “विहित अवधि” से, इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट आस्तियों के संबंध में ऐसी आस्ति के संबंध में उसमें विनिर्दिष्ट वर्षों की संख्या या अवधि, जो प्रत्येक दशा में, उस लेखा वर्ष के ठीक अगले लेखा वर्ष से आरम्भ होंगी, जिसमें कारवार में उपयोग के लिये विशिष्ट आस्ति उपलब्ध हुई थी, अभिप्रेत है।

[सं. 25(9)/82- डी (एम०ई०बी०)]

जे. सी. गुप्ता, संयुक्त सचिव

अनुसूची

आस्ति का वर्णन

वर्षों की संख्या या अवधि

1

2

(क) पूर्ण हक वाली स्वामित्वाधीन भूमि अनन्त काल

(ख) पट्टे के अधीन धारित भूमि—

(क) भूमि में विनिधान के लिए पट्टे की अवधि या पट्टे के समनुदेशन पर शेष अनवसित अवधि

(ख) स्थल की सफाई करने की लागत के लिए। स्थल की सफाई करने की तारीख को पट्टे की शेष अनवसित अवधि।

(ग) नई क्रय की गई आस्तियां :—

(क) जनन केन्द्रों में संयंत्र और मशीनरी; जिसके अंतर्गत संयंत्र आधार भी है :

(1) जल-विद्युत पैंतीस

(2) वाष्प-विद्युत पच्चीस

(3) डीजल-विद्युत पन्द्रह

(ख) शीतलन टावर और परि-संचारी जल पद्धति तीस

(ग) द्रवचालित संकर्म को जल विद्युत पद्धति का भाग है, जिनके अंतर्गत निम्नलिखित भी हैं :—

(1) बांध अधिप्लव मार्ग, बधि-काएं, नहरें, प्रवलिता कंक्रीट अव-नलिकाएं और दाबलधिकाएं एक सौ

(2) प्रवलिता कंक्रीट पाइप लाइनें और मोहर्मि टैंक, इस्पात पाइप लाइनें, स्लुइस गैम, इस्पात मोहर्मि (टैंक), द्रवचालित नियंत्रण वाल्व और अन्य द्रवचालित संकर्म चालीस

(घ) स्थाई प्रकृति के भवन और सिविल इंजीनियरी संकर्म, जो ऊपर उल्लिखित नहीं किये गये हैं :—

(1) कार्यालय और प्रदर्शन कक्ष पचास

(2) जिसमें ताप विद्युत जनन संयंत्र है तीस

(3) जिसमें जल विद्युत जनन संयंत्र है पैंतीस

(4) अस्थाई निर्माण जैसे काष्ठ संरचना पांच

(5) कच्चे माल में भिन्न एक सौ

(6) अन्य पचास

1	2	1	2
(ड.) ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मर, कियो— स्क उपस्टेशन उपस्कर और अन्य नियम साधित्र (जिसके अंतर्गत संयंत्र आधार भी है)		(द) (1) कार्यालय फर्नीचर और फिटिंग बीस	
(1) 100 किलोवाट एम्पियर पैंतीस और उससे अधिक की क्षमता वाले ट्रांसफार्मर (जिमके अंतर्गत आधार भी है)		(2) कार्यालय उपस्कर दस	
(2) अन्य पच्चीस		(3) आन्तरिकतर लगाना जिसके अंतर्गत फिटिंग और स.धिव भी हैं । पन्द्रह	
(च) स्वीचगीयर, जिसके अंतर्गत केवल कनेक्शन भी है तड़ित प्रगाही —		(4) सड़क प्रकाश फिटिंग पन्द्रह	
(1) स्टेशन टाइप तीस		(ण) भाड़े पर दिये गये साधित्र :-	
(2) पोल टाइप पन्द्रह		(1) मोटरों से भिन्न सात	
(3) तुल्यकाली संधारित पैंतीस		(2) मोटरें बीस	
(छ) बैट्रियां दस		(त) संचार उपस्कर :-	
(ज) (1) भूमिगत केबलें जिनके अन्तर्गति बाक्स और वियोजना बाक्स भी है । चालीस		(1) रेडियो तथा उच्च आवृत्ति पन्द्रह वाहक पद्धति	
(2) केवल डकट प्रणाली साठ		(2) टेलीफोन लाइनों और टेलीफोन बीस	
(झ) उपरीली लाइनों, जिसके अंतर्गत टैंक भी है :-		पूर्व- प्रयुक्त क्रय की गई आस्तियां और ऐसी आस्तियां जिनके लिये इस अनुसूची में अन्यथा उपबन्ध नहीं किया गया है ।	ऐसी युक्तियुक्त अवधि, जो राज्य सरकार, स्वामी द्वारा आस्तियों के अर्जन के समय उनके समय और दशा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक मामले में अवधारित करें ।
(1) 66 किलोवाट से उच्चतर पैंतीस नामीय वोल्टताओं पर प्रचालन करने वाले संविरचित इस्पात टैंकों पर लाइनें ।			
(2) 13.2 किलोवाट से तीस उच्चतर किन्तु 66 किलोवाट से अनधिक नामीय वोल्टताओं पर प्रचालन करने वाली इस्पात टैंकों पर लाइनें			
(3) इस्पात या प्रचलित कंक्रीट पच्चीस टैंकों पर लाइनें			
(4) अभिक्रियित काष्ठ टैंकों पर बीस लाइनें			
(न) मीटर पन्द्रह			
(ट) स्वनोदित यान सात			
(ठ) स्थैतिक मशीन और जार बीस			
(ड) वातानुकूलन संयंत्र			
(1) मशीनिक पन्द्रह			
(2) सुवाह्य गान			

G.S.R. 342(E).—In exercise of the powers conferred by sub-paragraph (a) of paragraph VI of the Sixth Schedule to the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government, after consultation with the Central Electricity Authority, hereby notifies that the licensee shall provide for depreciation such sum as is calculated in accordance with the following Principles namely:—

1. Providing of depreciation by licensee:—(a) the licensee shall provide for depreciation:—

(i) Such an amount as would, if set aside annually throughout the prescribed period and accumulated at compound interest at 4 per cent per annum, produce by the end of the prescribed period an amount equal to ninety percent of the original cost of the asset after taking into account the sums already written off or set aside in the books of the undertaking. Annual interest on the accumulated balance will be allowed as an expense from revenue as well as the annual incremental deposit, of

- i) Such an amount as is arrived at by dividing ninety percent of the original cost of the asset by the prescribed period:

Provided, however that if a licensee has already opted for a particular method before the commencement of the Electricity (Supply) Amendment Act, 1978 (23 of 1978), the licensee shall continue to follow the same method.

-) Where any fixed asset ceases to be available for use through obsolescence, inadequacy superfluity or for any other reason, it shall be described in the books of the licensee as no longer in use and on further depreciation in respect thereof shall be allowed as a charge against revenue.

- (c) When any asset has been written down in the books of the undertaking to 10 percent or less of its original cost, on further depreciation shall be allowed in respect of that asset.

- (d) Arrears of depreciation may be written off by equated payments over the remainder of the prescribed period.

2. Period of application of the principle of depreciation:—

These principles shall apply to the charging of depreciation for the accounting year commencing on the 1st day of April, 1985 and ending on the 31st day of March, 1986.

Explanation:—In this notification “prescribed period” means—In respect of assets specified in the schedule to the notification the number of years or period specified therein in relation to such asset running in each case from the beginning of the year of account next following that in which the particular asset became available for use in the business.

[No. 25(9)/82—D(SEB)]

J.C. GUPTA, Jt. Secy.

SCHEDULE

Description of Asset	Number of Years or period
1	2
A. Land owned under full title	Infinity
B. Land held under lease	
(a) for investment in the land	The period of lease or the period remaining unexpired on the assignment of the lease.
(b) for cost of clearing site	The period of the lease remaining unexpired at the date of clearing the site.
C. Assets purchased new—	
(a) Plant and Machinery in generating stations, including plant foundations	
(i) hydro-electric	Thirty five
(ii) stream-electric	Twenty five
(iii) diesel-electric	Fifteen
(b) Cooling towers and circulating water systems.	Thirty

1	2
(c) Hydraulic works forming part of a hydro electric system including :	
(i) dams, spillways, weirs, canals reinforced concrete flumes & syphons.	One hundred
(ii) reinforced concrete pipe lines and surge Tanks, steel pipe-lines, sluice gates, steel surge (tanks) hydraulic control valves & other hydraulic works.	Forty
(d) Building and civil engineering works of a permanent character, not mentioned above.	
(i) Offices & showrooms	Fifty
(ii) Containing thermo-electric generating plant	Thirty
(iii) containing hydro-electric generating plant	Thirty-five
(iv) temporary erection such as wooden structures	Five
(v) roads other than Kutchra roads.	One hundred
(vi) Others	Fifty
(e) Transformers, transformer (Kiosk), sub-stations equipment and other fixed apparatus including plant foundations)	
(i) transformers including foundations having a rating of 100 kilovolt amperes and over.	Thirty five
(ii) Others	Twenty five
(f) Switchgear, including cable connections.	Twenty
(g) Lightning arrestors—	
(i) station type	Twenty
(ii) Pole type	Fifteen
(iii) Synchronous condensers	Thirty five
(h) Batteries	Ten
(i) Underground cable including joint boxes and disconnected boxes.	Forty
(ii) Cable duct system	Sixty
(i) Overhead lines, including supports	Thirty-five
(i) lines on fabricated steel operating at nominal voltages higher than 66 kilovolts	Thirty five
(ii) lines on steel supports operating at nominal voltages higher than 13.2 kilovolts but not exceeding 66 kilovolts.	Thirty
(iii) lines on steel or reinforced concrete supports	Twenty five
(iv) lines on treated wood supports.	Twenty

1	2	1	2
(j) Meters	Fifteen	(p) Communication equipment--	
(k) self-propelled vehicles	Seven	(i) Radio and high frequency carrier system	Fifteen
(l) static machine tools	Twenty	(ii) Telephone lines and Telephones	Twenty
(m) Airconditioning plant--			
(i) Static	Fifteen		
(ii) Portable	Seven		
(n) (i) Office furniture & fittings	Twenty	D. Assets purchased second hand and assets not otherwise provided for in the schedule.	Such reasonable period as the Government determines in each case having regard to the nature, age and condition of the asset at the time of its acquisition by the owner.
(ii) Office equipment	Ten		
(iii) internal wiring including fittings and apparatus	Fifteen		
(iv) street-light fittings	Fifteen		
(o) Apparatus let on hire --			
(i) other than motors	Seven		
(ii) motors	Twenty		